mercredi 27 mars 2013

HIN1B08b

(Compréhension de l'écrit)

Cours – 8

बीरबल की खिचड़ी

एक दफा/बार शहंशाह अकबर ने घोषणा की कि यदि कोई व्यक्ति सर्दी के मौसम में नर्मदा नदी के ठंडे पानी में घुटनों तक खड़ा रह कर सारी रात गुजार देगा उसे भारी इनाम से पुरस्कृत किया जाएगा।

एक गरीब धोबी ने अपनी गरीबी दूर करने की खातिर हिम्मत की और सारी रात नदी में घुटने पानी में ठिठुरते बिताई और सुबह जहाँपनाह के दरबार में अपना पुरस्कार लेने पहुँचा।

बादशाह अकबर ने उससे पूछा - तुम ने कैसे सारी रात बिना सोए, खड़े-खड़े ही नदी में रात बिताई ? तुम्हारे पास इस बात का क्या सबूत है ?

धोबी ने उत्तर दिया - जहाँपनाह, मैं सारी रात आपके महल के दरबान के सामने नदी में खड़ा रहा। महल के बुर्ज में जल रहे दीपक को देखता रहा और इस तरह जागते हुए सारी रात नदी के शीतल जल में गुजारी।

तो, इसका मतलब यह हुआ कि तुम महल के दीये की गरमी लेकर सारी रात पानी में खड़े रहे और इनाम चाहते हो। सिपाहियों इसे जेल में बन्द कर दो - बादशाह ने क्रोधित होकर कहा।

बीरबल भी दरबार में था। उसे यह देख बुरा लगा कि बादशाह नाहक ही उस गरीब पर जुल्म कर रहे हैं। बीरबल दूसरे दिन दरबार में हाजिर नहीं हुआ, जबकि उस दिन दरबार की एक आवश्यक बैठक थी। बादशाह ने एक खादिम/सेवक को बीरबल को बुलाने भेजा। खादिम ने लौटकर जवाब दिया - बीरबल खिचड़ी पका रहे हैं और वह खिचड़ी पकते ही उसे खाकर आयेंगे।

जब बीरबल बहुत देर बाद भी नहीं आए तो बादशाह को बीरबल की चाल पर कुछ सन्देह हुआ। वे खुद तफतीश/छानबीन करने बीरबल के घर पहुँचे। बादशाह ने देखा कि एक बहुत लंबे से डंडे पर एक घड़ा बाँधा हुआ है और वह नीचे जरा सी जलती हुई आग के ठीक ऊपर, बहुत ऊँचाई पर लटका हुआ है। पास में बीरबल आराम से खटिया पर लेटे हुए हैं और मटके को लगातार ताक रहे हैं।

बादशाह ने तमककर पूछा – यह क्या तमाशा है ? क्या ऐसे भी कभी खिचड़ी पकती है ? इतनी सी आग की गरमी भला उतनी ऊँचाई पर कैसे पहुँच सकती है ?

बीरबल ने कहा - माफ करें, जहाँपनाह, जरूर पकेगी। वैसे ही पकेगी जैसे कि धोबी को महल के दीये की गरमी मिली थी और वह नदी के ठंडे पानी में सारी रात खड़ा रह सका था।

बादशाह को बात समझ में आ गई। उन्होंने बीरबल को गले लगाया और धोबी को रिहा करने और उसे इनाम देने का हुक्म दिया।

Questions

Quel était l'annonce du roi ? Le pauvre homme qu'a-t-il fait ? Pourquoi le roi s'est mis en colère ?

Pourquoi Birbal n'est pas venu à la cour ? Comment Birbal a-t-il fait la leçon au roi ?

Vocabulaire

दफा-f /बार-f fois	शहंशाह–m le roi des rois	घोषणा-f déclaration	सर्दी-m froid, hiver
मौसम-m climat	नदी-f rivière	घुटना-m genou	गुजारना passer
भारी lourd	पुरस्कृत करना-m récompenser	गरीब-m pauvre	धोबी-m blanchisseur
के खातिर pour	हिम्मत-f courage	ठिठुरना trembler de froid	बिताना passer (le temps)
जहाँपनाह protecteur du monde	इनाम-m prix	सबूत-m preuve	छोर-m bout
महल-m palais	शीतल frais	बादशाह-m roi	क्रोधित-m fâché
नाहक sans raison	ज़ुल्म-m oppression	हाजिर होना être présent	जबकि alors que
आवश्यक nécessaire	बैठक-f salon, réunion	खादिम-m serviteur	खिचड़ी-f mélange de riz et de lentilles
चाल-f démarche	सन्देह-m doute	तफतीश-f enquête	छानबीन-f enquête
छानना tamiser	बीनना ramasser en triant	खटिया lit	तमकना se fâcher
तमाशा-m spectacle	गले लगाना embrasser	रिहा करना libérer	हुक्म-m ordre